web: www.nyaysakshi.com || पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल || पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, सोमवार 03 मई 2021 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-03, अंक- 212

महत्वपूर्ण एवं खास

अभिनेता दिलीप कुमार नियमित स्वास्थ्य जांच के लिए अस्पताल में भर्ती

मुंबई (आरएनएस)। दिग्गज अभिनेता दिलीप कुमार को नियमित स्वास्थ्य जांच के लिए एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी पत्नी और अनुभवी अभिनेत्री सायरा बानो ने रविवार को यह जानकारी दी। बानो ने बताया कि 98 वर्षीय अभिनेता को शुक्रवार दोपहर को उपनगर खार में स्थित हिंदुजा अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने बताया, 'डॉक्टरों की टीम ने सभी जांच की और साहब (कुमार) ठीक हैं। उन्हें आज अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी। हमें आपकी दुआओं की जरूरत है। अभिनेता के पारिवारिक मित्र फैसल फारूकी ने बताया कि कुमार को नियमित स्वास्थ्य जांच के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। फारूकी ने बताया, 'उन्हें नियमित जांच के लिए भर्ती कराया गया। घबराने की कोई बात नहीं है। यह नियमित जांच है जो उनकी उम्र के कारण समय-समय पर करनी पड़ती है। वह ठीक हैं। पिछले साल दिलीप कुमार के दो छोटे भाइयों असलम खान (88) और एहसान खान (90) का कोविड-19 के कारण निधन हो गया था।

ओडिशा में 14 दिनों का पूर्ण लॉकडान

भुवनेश्वर (आरएनएस)। ओडिशा सरकार ने कोविड-19 संक्रमण की भयावहता को देखते हुए रविवार को राज्य में 14 दिनों के पूर्ण लॉकडाउन की घोषणा की जो पांच मई से प्रभावी होगा। सूत्रों के अनुसार कोरोना की घातक दूसरी लहर फैलने पर इस पर नियंत्रण पाने के लिए राज्य सरकार ने यह फैसला किया। राज्य में पांच मई से 19 मई तक लॉकडाउन रहेगा। इस दौरान जरूरी सेवाओं को छोड़कर अन्य सेवाएं बंद रहेंगी। देश में लगातार कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामले और इस वैश्विक महामारी से होने वाली मौतों में वृद्धि से लोगों में खौफ व्याप्त है। अस्पतालों में बेड, वेंटिलेटर, दवा और ऑक्सीजन की भारी किल्लत है। इसी तरह की स्थिति राष्ट्रीय राजधानी में भी बनी हुई है जहां बत्रा, सर गंगाराम और जयपुर गोल्डन अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी के कारण कई मरीजों की मौत हो गई।

जीत के जश्न को तुरंत रोकें और एफआईआर दर्ज करें

›चुनाव आयोग का राज्यों को सख्त निर्देश

नईदिल्ली (आरएनएस)। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजों के रुझान आने के बाद राजनीतिक दल के कार्यकर्ता सड़कों पर जश्न मनाते दिख रहे हैं. इस पर चुनाव आयोग ने कहा है कि जीत पर जश्न मनाने के लिए इकट्ठा हो रही भीड़ को लेकर गंभीर संज्ञान लिया गया है. चुनाव आयोग ने सभी पांचों राज्यों के मुख्य सचिवों को निर्देश दिया है कि ऐसे सभी मामलों में एफआईआर दर्ज करें. आयोग ने संबंधित इलाकों के थाना प्रभारी को सस्पेंड करने और ऐसी घटनाओं को लेकर की गई त्वरित कार्रवाई की रिपोर्ट देने को कहा है. चुनाव आयोग ने अपने एक आदेश में राज्यों में मतगणना के दौरान या उसके बाद सभी तरह की विजयी जुलूसों पर प्रतिबंध लगा दिया था. आदेश के मुताबिक, कोरोना वायरस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए यह फैसला लिया गया. गिनती की प्रक्रिया के दौरान काउंटिंग सेंटर के बाहर किसी तरह की जनसभा की अनुमति नहीं है. पश्चिम बंगाल में मतगणना के शुरुआती रुझानों में तृणमूल कांग्रेस को मिली भारी बढ़त के बाद कई जगहों पर पार्टी समर्थक जश्न मनाते और पटाखे फोड़ते दिखे.

बंगाल में टीएमसी की जीत की हैट्रिक, असम में भाजपा तो केरल में वाम फ्रंट की सत्ता बरकरार

» तमिलनाडु-पुदुचेरी में बजा परिवर्तन का बिगुल

नई दिल्ली (आरएनएस)। रविवार को पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजे घोषित हो गए। तमाम कयासों पर विराम लगाते हुए पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की अगुआई में तृणमूल कांग्रेस ने जीत की हैट्रिक लगाई तो असम में भाजपा भी अपनी सत्ता बरकरार रखने में सफल रही। अपनी सत्ता बचा कर वाम फ्रंट ने केरल में हर पांच साल में परिवर्तन की चली आ रही परंपरा पर विराम लगाने का इतिहास रचा। जबकि तमिलनाडु और पुदुचेरी में मतदाताओं ने परिवर्तन का बिगुल बजाया।

इस चुनाव में अंतर्द्वंद्व से जूझ रही कांग्रेस का हाथ खाली रहा। जबकि भाजपा की पश्चिम बंगाल में सत्ता हासिल करने की आस अधूरी रह गई। कांग्रेस को पुदुचेरी की सत्ता ही नहीं गंवानी पड़ी, बल्कि उसकी असम और केरल में सत्ता हासिल करने के अरमानों पर भी ग्रहण लग गया। पार्टी की अगुवाई वाले गठबंधन को पश्चिम बंगाल में शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा।

बंगाल में ममता का जादू कायम

इस चुनाव में सबकी निगाहें पश्चिम बंगाल पर थी। राज्य की सत्ता हासिल करने के लिए भाजपा ने अपनी सारी ताकत झोंक दी थी। इसके बावजूद सत्तारूढ़ टीएमसी की मुखिया ममता बनर्जी पुराना प्रदर्शन दुहराते हुए जीत की हैट्रिक लगाने में कामयाब रही। तमाम कोशिशों के बावजूद भाजपा के सीटों की संख्या तीन अंकों में नहीं पहुंच पाई। जीत की हैट्रिक के साथ ही ममता अपना सियासी कद बड़ा करने में कामयाब रही।

केरल में टूटी परंपरा

हर पांच साल में सत्ता परिवर्तन केरल की राजनीतिक परंपरा बन गई थी। इस बार वाम दलों के नेतृत्व वाले एलडीएफ ने अपनी सत्ता बरकरार रख कर इस परंपरा पर ब्रेक लगाने का इतिहास रचा। इसके साथ ही कांग्रेस की सत्ता पाने की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। वाम दलों की यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि देश में केरल ही इकलौता राज्य हैं जहां वाम दलों की सरकार बची है।

असम में भी पुरानी सरकार

पश्चिम बंगाल और केरल की तरह असम में भी मतदाताओं ने सत्तारूढ़ गठबंधन राजग पर ही भरोसा जताया। बीते विधानसभा चुनाव के मुकाबले भले ही राजग की सीटों में कमी आई, मगर गठबंधन कांग्रेस की अगुवाई में बने बड़े गठबंधन के बावजूद आरामदायक बहुमत हासिल करने में कामयाब रही। असम में जीत से राज्य सरकार के वरिष्ठ मंत्री हेमंत विस्वासरमा का सियासी कद बढ़ गया है। उम्मीद जताई जा रही है कि पार्टी वर्तमान सीएम सर्वानंद सोनोवाल की जगह विस्वसरमा को सरकार की कमान देगी।

तमिलनाडु में सत्ता परिवर्तन

तमिलनाडु में एम के स्तालिन के नेतृत्व में द्रमुक ने सत्तारूढ़ अन्नाद्रमुक को करारी शिकस्त दी है। द्रमुक को अन्नाद्रमुक के मुकाबले करीब दोगुना सीटें हासिल हुई है। परिणाम के साथ ही न सिर्फ पार्टी में करुणानिधि की विरासत स्तालिन को हासिल होने पर मुहर लगी है, बल्कि स्तालिन के ही मुख्यमंत्री बनने की संभावना है। गौरतलब है कि जयललिता की अनुपस्थिति में सत्तारूढ़ अन्नाद्रुमक पार्टी में जारी अंतर्विरोध का हल नहीं ढूंढ पाई।

केन्द्र ने अब तक राज्यों को लगभग 16 करोड़ 54 लाख कोविड टीके उपलब्ध कराए

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारत सरकार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ मिलकर पूरी दृढ़ता के साथ कोविड-19 महामारी से मुक़ाबले का नेतृत्व कर रही है। कोविड से मुक़ाबले में भारत सरकार की 5 बिन्दु की रणनीति का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है टीकाकरण। अन्य चार बिन्दुओं में टेस्ट, ट्रैक, ट्रीट और कोविड उपयुक्त व्यवहार शामिल हैं।

कोविड-19 टीकाकरण की प्रक्रिया के तीसरे चरण को और प्रभावी तथा उदार स्वरूप देते हुए इसे देश भर में 1 मई को शुरू कर दिया गया। इस चरण के अंतर्गत टीकाकरण के पात्र नई आयु वर्ग के लोगों के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया 28 अप्रैल से शुरू हो चुकी है। लाभार्थी कोविन पोर्टल या आरोग्य सेतु ऐप पर टीकाकरण के लिए स्वतः पंजीकरण करा सकते हैं।

भारत सरकार ने अब तक राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों को कोविड रोधी टीके की लगभग 16.54 करोड़ खुराकें निःशुल्क उपलब्ध कराई हैं। आज सुबह 8 बजे तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार कुल खुराकों में से बर्बादी सहित 15,76,32,631 खुराकों का उपयोग किया जा चुका है।

राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के पास इस समय कोविड रोधी टीके की 78,60,779 खुराकें उपलब्ध हैं, जिनका इस्तेमाल किया जाना है।

राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को अगले 3 दिनों में 56 लाख से अधिक अतिरिक्त खुराकें उपलब्ध कराई।

देश में अब तक 15 करोड़ 68 लाख से अधिक कोविड टीके लगाए गए

» तीन लाख से अधिक कोरोना संक्रमण से मुक्त

» राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान का तीसरा चरण आरंभ

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारत सरकार ने 'समग्र सरकार' दृष्टिकोण के साथ राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के साथ मिल कर देश में कोविड-19 महामारी की रोकथाम, नियंत्रण तथा प्रबंधन के लिए एक पांच सूत्री रणनीति आरंभ की है। टेस्ट, ट्रैक, ट्रीट तथा कोविड समुचित बर्ताव के साथ टीकाकरण पांच सूत्री रणनीति का एक अंतरंग घटक है। कोविड-19 टीकाकरण की उदार और त्वरित चरण-3 रणनीति 1 मई से प्रभावी हुई है। नए पात्र जनसंख्या समूहों के लिए पंजीकरण 28 अप्रैल से आरंभ हुआ। राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान का तीसरा चरण आरंभ होने के साथ देश में लगाये गए कोविड 19 के कुल टीकों की संख्या आज 15.68 करोड़ से पार हो गई। 11 राज्यों में 18-44 आयु समूह के 86,023 लाभार्थियों ने कोविड-19 टीके की अपनी पहली खुराक प्राप्त की। ये राज्य हैं- छत्तीसगढ़ (987), दिल्ली (1,472), गुजरात (51,622), जम्मू एवं कश्मीर (201), कर्नाटक (649), महाराष्ट्र (12,525), ओडिशा (97), पंजाब (298), राजस्थान(1853), तमिलनाडु (527) तथा उत्तर प्रदेश (15,792)।

रिपोर्ट के अनुसार 22,93,911 सत्रों के जरिये कुल मिलाकर 15,68,16,031 टीके लगाये जा चुके हैं। इनमें 94,28,490 एचसीडब्ल्यू शामिल हैं जिन्होंने पहली खुराक ली है जबकि 62,65,397 एचसीडब्ल्यू ने दूसरी खुराक प्राप्त की है,1,27,57,529 एफएल्डब्ल्यू (पहली खुराक) 69,22,093 एफएल्डब्ल्यू (दूसरी खुराक)18-45 आयु समूह के नीचे के 86,023 लाभार्थियों ने पहली खुराक, 60 वर्ष से अधिक आयु के 5,26,18,135 लाभार्थियों ने पहली खुराक तथा 1,14,49,310 लाभार्थियों ने दूसरी खुराक और 45 से 60 वर्ष की आयु के बीच के 5,32,80,976 लाभार्थियों ने पहली खुराक तथा 40,08,078 लाभार्थियों ने दूसरी खुराक प्राप्त की है। अभी तक देश में लगाये गए कुल टीकों में से 67.00 प्रतिशत में दस राज्यों की भागीदारी है।

रेलवे ने 64 हजार बिस्तरों के साथ 4 हजार आइसोलेशन कोच स्थापित किए

नईदिल्ली (आरएनएस)। कोविड के खिलाफ एकजुट लड़ाई में राष्ट्र की क्षमताओं को मजबूत करते हुए रेल मंत्रालय ने अपनी बहु-आयामी पहलों के बीच करीब 64,000 बेड साथ लगभग 4,000 आइसोलेशन कोचों को तैनात किया है।

राज्यों के साथ साझा रूप से काम करने और यथासंभव सामंजस्यपूर्ण जल्द कार्यवाही के लिए एक आदेश को लेकर अपने समझौता ज्ञापन को पूरा करने के लिए रेलवे ने जोनों और डिवीजनों को सशक्त बनाने की एक विकेंद्रीकृत कार्य योजना तैयार की है। इन आइसोलेशन कोचों को आसानी से स्थानांतरित और भारतीय रेल नेटवर्क पर मांग के स्थानों पर इन्हें तैनात किया जा सकता है।

वहीं राज्यों की मांग के अनुसार वर्तमान में कोविड मरीजों की देखभाल के लिए विभिन्न राज्यों कोलगभग 3400 बेड की क्षमता के साथ 213कोच सौंपे गए हैं। मौजूदा समय में आइसोलेशन कोचों का इस्तेमाल दिल्ली, महाराष्ट्र (अजनी आईसीडी, नंदुरबार), मध्य प्रदेश (इंदौर के करीब तीही) में किया जा रहा है। नवीनतम मांग नागालैंड की राज्य सरकार की ओर से आइसोलेशन कोचों के लिए आया है।इसके अनुरूप रेलवे ने दीमापुर में 10 आइसोलेशन कोचों को तैनात किया है।

इसके अलावा रेलवे ने उत्तर प्रदेश के बड़े शहरों जैसे; फैजाबाद, भदोही, वाराणसी, बरेली और नजीबाबाद में भी 50 कोच लगाए हैं। वहीं जिला प्राधिकारियों की मांग पर आइसोलेशन कोचों को नंदुरबार से पालघर स्थानांतरित किया गया है। जबलपुर के लिए भी आइसोलेशन कोच तैनात किए जा रहे हैं।

आज की तिथि में महाराष्ट्र के नंदुरूबार में पिछले कुछ दिनों में 6 नए मरीजों को भर्ती किया किया है, जबकि 3 मरीज को आइसोलेशन अवधि के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया।अभी इस सुविधा में 35 कोविडमरीज आइसोलेशन में हैं। अब तक राज्य स्वास्थ्य प्राधिकारियों द्वारा 95 भर्ती पंजीकृत किए गए हैं, जबकि 60 मरीजों को डिस्चार्ज किया जा चुका है। अभी भी 330 बेड उपलब्ध हैं। इसके अलावा रेलवे ने अजनी इनलैंड कंटेनर डिपो (आईसीडी) में 11 कोविड केयर कोचों (चिकित्सा कर्मियों एवं आपूर्ति के लिए विशेष रूप से सेवा देने वाले एक कोच के साथ) को लगाया है। मध्य प्रदेश राज्य सरकार द्वारा 2 कोचों की मांग के संबंध में पश्चिमी रेलवे के रतलाम डिवीजन ने इंदौर के पास तीही स्टेशन पर 320 बेड की क्षमता वाले 22 कोच तैनात किए हैं। अब तक यहां 12 मरीज भर्ती हो चुके हैं। इस सुविधा में अभी 308 बेड उपलब्ध हैं। वहीं भोपाल में 20 कोच तैनात किए गए हैं। नवीनतम आंकड़ों के अनुसारइनमें4 डिस्चार्ज के साथ 21मरीजों को भर्ती किया गया। यहां अभी 275बेड उपलब्ध हैं।

संक्रमण की चेन तोड़ने के लिए देश में अब 'सख्त लॉकडाउन' जरूरी

» कोविड-19 टास्क फोर्स की केंद्र से अपील

नईदिल्ली (आरएनएस)। कोविड-19 टास्क फोर्स के सदस्यों ने केंद्र सरकार से कहा कि देश में अब सख्त लॉकडाउन लगाए जाने की जरूरत है। टास्क फोर्स के सदस्यों ने कहा कि देश में कोरोना संक्रमण की रफ्तार तेजी से बढ़ रही है। कोविड-19 टास्क फोर्स में प्रमुख स्वास्थ्य संस्थानों जैसे- एम्स और एम्स के एक्सपर्ट्स शामिल हैं। टास्क फोर्स के एक्सपर्ट्स का कहना है कि कुछ राज्यों में लॉकडाउन की घोषणा से बेहतर है कि पूरे देश में लॉकडाउन लगाया जाए। सदस्यों का कहना है कि संक्रमण से मरने वाले लोगों की संख्या में भी दिनों-दिन उछाल देखा जा रहा है। इन सब पर नियंत्रण पाने के लिए यह जरूरी है कि अब देश में सख्त लॉकडाउन की घोषणा की जाए। एम्स के डायरेक्टर डॉ. रणदीप गुलेरिया ने कहा कि जिस तरह से रोजाना कोरोना संक्रमण के नए केस सामने आ रहे हैं। उससे स्वास्थ्य सेवाओं पर अधिक भार उत्पन्न हो रहा है, इसलिए संक्रमण की इस चेन को तोड़ने के लिए इसपर आक्रामक तरीके से कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि लोग वैक्सीनेशन प्रोग्राम शुरू होने के बाद से निश्चिंत हो गए और उन्होंने कोरोना प्रोटकॉल का पालन करना बंद कर दिया, जिसकी वजह से कोरोना संक्रमण का प्रसार और तेजी से शुरू हो गया।

देश में गैसीय ऑक्सीजन की आपूर्ति और उपलब्धता बढ़ाने की गई समीक्षा, पीएम मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक

नईदिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऑक्सीजन की आपूर्ति और उपलब्धता बढ़ाने के लिए नवोन्मेषी तरीकों की खोज करने के अपने निर्देशों के अनुरूप, आज गैसीय ऑक्सीजन के उपयोग की समीक्षा करने के लिए आयोजित एक बैठक की अध्यक्षता की। स्टील प्लांट, पेट्रोकैमिकल इकाइयों के साथ रिफाइनरियां, रिच कंबस्टन प्रोसेस का उपयोग करने वाले उद्योग, पावर प्लांट जैसे कई उद्योगों के पास ऑक्सीजन प्लांट हैं जो गैसीय ऑक्सीजन का उत्पादन करते हैं जिनका प्रोसेस में उपयोग किया जाता है। मेडिकल उपयोग के लिए इस ऑक्सीजन का इस्तेमाल किया जा सकता है। ऐसी औद्योगिक इकाइयों की पहचान करने, जो अपेक्षित शुद्धता वाली गैसीय ऑक्सीजन का उत्पादन करती हैं, उनकी संक्षिप्त सूची बनाने जो नगरों/घनी आबादी वाले क्षेत्रों/मांग केंद्रों के निकट हैं तथा उस स्रोत के निकट ऑक्सीजनयुक्त बेड के साथ अस्थायी कोविड देखभाल केंद्रों की स्थापना करने के लिए रणनीति का उपयोग किया जा रहा है। ऐसी पांच फैसिलिटीज के लिए पायलट कार्य पहले ही आरंभ किया जा चुका है और इस दिशा में अच्छी प्रगति दर्ज की गई है। इसे प्लांट को ऑपरेट करने वाली पीएसयू या निजी उद्योगों तथा केंद्र एवं राज्य सरकारों के समन्वयन के साथ पूरा किया जा रहा है।

ऐसी उम्मीद है कि ऐसे संयंत्रों के निकट अस्थायी अस्पतालों की स्थापना के द्वारा कम समय में लगभग 10,000 ऑक्सीजनयुक्त बेड का निर्माण किया जा सकता है। राज्य सरकारों को महामारी से निपटने के लिए ऑक्सीजनयुक्त बेडों के साथ और अधिक ऐसी सुविधाओं की स्थापना करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

फिर सही बैठा बहुसंख्यक वर्ग के मतों के समानांतर ध्रुवीकरण का दांव

» एनआरसी के विरोध और विपक्ष की एकजुटता के बावजूद भाजपा ने हासिल की ऐतिहासिक जीत

नई दिल्ली (आरएनएस)। असम में भाजपा अपनी सत्ता बचाने में कामयाब रही। पार्टी की अल्पसंख्यक मतों के ध्रुवीकरण के समानांतर बहुसंख्यक वर्ग के मतों का समानांतर ध्रुवीकरण कराने की रणनीति एक बार फिर से परवान चढ़ी है। करीब-करीब सभी विपक्षी दलों के एकजुट होने और एनआरसी पर गहरे असंतोष के बीच भाजपा की इस जीत को ऐतिहासिक माना जा सकता है। चर्चा है कि जीत में अहम भूमिका निभाने वाले राज्य सरकार के

वरिष्ठ मंत्री हेमंत विस्वासरमा को इनाम केरूप में सीएम की कुर्सी मिल सकती है।

गौरतलब है कि इस चुनाव में उतरने से पूर्व कांग्रेस ने बेहद सधी रणनीति अपनाई। भाजपा के खिलाफ मुस्लिमों में व्यापक प्रभाव रखने वाले एआईयूडीएफ के अलावा बीपीएफ, भाकपा, माकपा समेत 8 दलों विशाल गठबंधन बनाया। बीते विधानसभा और लोकसभा चुनाव में इन दलों का संयुक्त वोट भाजपा से दस फीसदी से भी ज्यादा था। इसके बावजूद भाजपा पुरानी सहयोगी अगप और नई सहयोगी यूपीपीएल के साथ पुराना प्रदर्शन दुहराने में कामयाब रही। खासबात यह है कि इस चुनाव में भी पार्टी केबीते चुनाव की तरह लोकसभा से अधिक मत हासिल हुए।

चला समानांतर ध्रुवीकरण का दांव- चुनाव नतीजे बताते हैं कि राज्य के मतदाताओं को कांग्रेस का खासतौर पर एआईयूडीएफ से गठबंधन रास नहीं आया। इस गठबंधन के कारण ही भाजपा के कांग्रेस पर मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति के आरोपों को मजबूती मिली। बीते चुनाव की तरह इस चुनाव में भी बहुसंख्यक वर्ग के मतों का अल्पसंख्यक वर्ग के मतों के ध्रुवीकरण के खिलाफ समानांतर ध्रुवीकरण हुआ।

काम आया मोदी का चेहरा और विस्वसरमा की रणनीति- पार्टी में अंतर्द्वंद्व को टालने केलिए भाजपा ने इस बार किसी को सीएम पद का चेहरा नहीं बनाया। स्थानीय स्तर पर चुनावी रणनीति बनाने का जिम्मा विस्वसरमा को सौंपा और मोदी के चेहरे के सहारे चुनाव मैदान में उतरने की रणनीति बनाई। भले ही पार्टी ने हेमंत को सीएम पद का चेहरा नहीं बनाया, मगर अधिकांश टिकट उन्हीं की सिफारिश पर बांटे। अंत समय में बीपीएफ की जगह यूपीपीएल से चुनावी गठबंधन की रणनीति भी हेमंत विस्वासरमा की थी।

इसी हफ्ते नए सीएम की घोषणा- नतीजे के बाद पार्टी केसंसदीय बोर्ड की बैठक जल्द होगी। माना जा रहा है कि इसमें हेमंत विस्वासरमा को नया सीएम बनाने पर मुहर लगेगी। पार्टी सूत्रों का कहना है कि केंद्रीय नेतृत्व ने पहले ही वर्तमान सीएम सर्वानंद सोनोवाल को इसके लिए राजी कर लिया है।